दिनांक: 5-11-2020 कक्षा-पाँच (हिंदी) बुधवार

पाठ 11. चावल की रोटियाँ

LR-11 WORK

प्रश्न 3. पेज नं: 22

(क) चावल की रोटियाँ देखकर कोको बहुत खुश हुआ। वह अपने होंठों पर जीभ फेरता है और कहता है कि आहा - मजा आ गया आज तो डटकर नाश्ता होगा।

(ख) नीनी से रोटियाँ बचाने के लिए कोको झूठ बोलता है कि वह नाश्ता करके मुँह धोने लगा था इसलिए दरवाजा खोलने में देरी हुई और जब नीनी कोको से रेडियो के बारे में पूछता है तो वह फिर से बहाना बनाता है कि उसका रेडियो भी खराब है।

(ग) यदि नीनी की जगह मैं कोको के घर जाती तो उसका हाल - चाल पूछने के बाद रेडियो के बारे में पूछती कि उसके घर में रेडियो है या नही और उसे परीक्षा संबंधी जानकारी के बारे में बताती।

प्रश्न 4. (क) कोको ने अपनी मनपसंद चावल की रोटियाँ छिपाने के लिए नीनी और मिमि से झूठ बोलता है। इसके लिए वह रेडियो के खराब होने, अपना पेट भरा होने, मुँह हाथ धोने, घर में चूहा होने और रोटियाँ खा लेने तथा माँ को एलर्जी होने जैसे झूठ बोलता है।

(ख) स्वयं करे।

Scanned by TapScanner

इस गद्यांश को पढ़कर सुलेख लिखो।

वाल्मीकि जयंती के दिन विविध आयोजन होते हैं। जगह-जगह से शोभा-यात्रा निकाली जाती है। महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा स्थल पर भंडारा आयोजित किया जाता है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन दर्शन यह प्रेरणा देता है कि सच्चाई के रास्ते पर चलकर ही मानव महापुरुष बन सकता है। यह दिन सत्कर्म को प्रेरित करता है। इन्होने "रामायण" जैसे प्रसिद्ध ग्रन्थ की रचना भी की थी।

Scanned by TapScanner